कुंजी

DATE 1.8.24
PAGE No. 1

Tender Heart High School, Sec. 33-B, Chandigarh.

कक्षा - आठवीं शिक्षिका - सुमन शर्मा
विषय - हिंदी साहित्य (पाठ-8 लता से साक्षात्कार)

पुस्तक - नवतरंग भाग-8

पाठ बोध

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में लिखो:-

उत्तर-(क) लता मंगेशकर को बचपन से ही गाने का शौक था। लता जी के पिता उस समय के सुप्रसिद्ध गायक थे, इसलिए संगीत उनके घर में सारा दिन चलता रहता था। वे रसोईघर में बर्तन रखने के स्टैंड पर बैठकर ज़ोर-ज़ोर से गाना गाकर अपनी माँ को सुनाया करती थीं। अपने पिताजी की कुछ बंदिशें या सहगल साहब के गाने उन्हें बहुत पसंद थे। एक बार उन्होंने अपने पिता की अनुपस्थिति में उनके शिष्य को उसके ठीक से रियाज़ न करने पर उसे ठीक किस प्रकार गाना है, गाकर बताया।

उत्तर-(ख) लता मंगेशकर स्टूडियो में रिकार्डिंग के लिए जाती थीं परन्तु उन्हें शुरू-शुरू में तो यह मालूम ही नहीं चला कि स्टूडियो में कैंटीन भी होती है और वहाँ चाय या खाने के लिए भी मिलता है। सब लोग दोपहर को खाना खाने जाते थे लेकिन लता जी सारा दिन रिकार्डिंग रूम में भूखी ही बैठी रहती थीं। वे ट्रेन की टिकट के लिए पैसे बचाकर रखती थीं। उनके पास बहुत कम पैसे होते थे।

उत्तर-(ग) लता जी का संगीत से संबंध दो तरह से है, एक तो उनके खून में और दूसरा घुट्टी में।

Scanned with CamScanner

DATE 1.8.24
PAGE No. 2

कुंजी

कक्षा - आठवीं शिक्षिका - सुमन शर्मा
विषय - हिंदी साहित्य (पाठ - 8 'लता से साक्षात्कार')

जिस माहौल में लताजी पली-बढ़ीं, वहाँ हर तरफ़ संगीत ही था। उनके पिता दीनानाथ राव मंगेशकर उस समय के सुप्रसिद्ध गायक थे। पाँच वर्ष की आयु से ही उनके पिता ने लताजी को संगीत की शिक्षा देना आरंभ कर दिया था।

विस्तार से:-

(क) उत्तर- लता मंगेशकर चार बहन-भाई हैं। लताजी सबसे बड़ी हैं। जब वे छोटी थीं तो रसोई-घर में बर्तन रखने के स्टैंड पर बैठकर अपनी माँ को ज़ोर-ज़ोर से गाना गाकर सुनाया करती थीं। एकबार जब उनके पिताजी ने उन्हें गाते हुए सुना तो उन्होंने अपनी पत्नी से कहा कि घर में गवैया बैठा है और मैं बाहर सिखा रहा हूँ। तब से उन्होंने लताजी को सिखाना शुरू किया। उनके पिताजी उनकी बात भी मान लेते थे। जब वे नौ साल की थीं तो उन्होंने एक 'क्लासिकल प्रोग्राम' में अपने पिताजी के साथ गाने का आग्रह किया। जब उन्होंने प्रोग्राम में गाया तो उनकी बहुत प्रशंसा हुई। बाद में वे अपने पिता की गोद में सर रखकर सो गईं। इन्हीं बातों से पता चलता है कि लता मंगेशकर अपने माता-पिता की बहुत लाडली थीं।

उत्तर-(ख) हाँ! हम लता मंगेशकर की इस बात से सहमत हैं कि उन्होंने गायिका बनने के लिए बहुत संघर्ष किया। तेरह वर्ष की आयु में ही उनके पिताजी की मृत्यु हो गई थी। लताजी अपने भाई-बहनों में सबसे बड़ी थीं इसलिए पिताजी की मृत्यु के बाद उन्हें चिंता हुई कि घर में पैसे कहाँ से लाऊँ? वे एक स्टूडियो से दूसरे स्टूडियो में रिकार्डिंग करने जाया करती थीं। आरंभ

(पृष्ठ-2)

Scanned with CamScanner

कुंजी

DATE 1.8.24
PAGE No. 3

कक्षा - आठवीं शिक्षिका - सुमन शर्मा
विषय - हिंदी साहित्य (पाठ-8 लता से साक्षात्कार)

मैं तो एस. मुखर्जी नामक म्यूज़िक डायरेक्टर ने तो यह भी कह दिया कि यह पतली आवाज़ है, हमारी हीरोइन को मैच नहीं करेगी। लताजी सारा दिन स्टूडियो में भूखी बैठी रहती थीं। गाना रिकार्ड हो जाने पर ही घर जाती थीं। पैसों का अभाव होने के कारण लताजी स्टेशन से स्टूडियो ताँगे से न जाकर पैदल ही जाया करती थीं ताकि आने-जाने के पैसे बच जाएँ। उन बचे पैसों से स्टेशन पर जो सब्ज़ियाँ मिलती थीं, उन्हें खरीदकर घर ले जाती थीं।

(अंतिम पृष्ठ-3)

Scanned with CamScanner